NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

APRIL-2025

Your Path to Success

खंड - अ

प्रश्न 1 - पचमढ़ी की पहाड़ियों में क्या पाए/पाई जाते/जाती हैं?

(A) मंदिर और किले

(B) प्राचीन पांडुलिपियाँ

(C) चित्रों वाले शैल आश्रय

(D) बौद्ध स्तूप

उत्तर - (C) चित्रों वाले शैल आश्रय

प्रश्न 2 – पाल लघु चित्रकला के प्रारंभिक उदाहरण किस बौद्ध ग्रंथ में मिलते हैं ?

(A) जातक कथाएँ

(B) अष्टसहस्त्रिका प्रज्ञापारमिता

(C) विनयपिटक

(D) धम्मपद

उत्तर – (B) अष्टसहस्त्रिका प्रज्ञापारमिता

प्रश्न 3 – जब पलस्तर सेट होता है, तो नमी का क्या होता है ?

(A) यह तेल में बदल जाती है

(B) यह वाष्पित हो जाती है

(C) यह रंगद्रव्य में समा जाती है

(D) यह चित्र में बनी रहती है

उत्तर - (B) यह वाष्पित हो जाती है

प्रश्न 4 – अजंता चित्रों में आमतौर पर कौन-से विषय चित्रित किए गए हैं ?

(A) केवल शाही युद्ध

(B) बुद्ध से संबंधित दृश्य और प्रतीक

(C) पौराणिक युद्ध दृश्य

(D) अमूर्त और आधुनिक डिजाइन

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर – (B) बुद्ध से संबंधित दृश्य और प्रतीक

प्रश्न 5 - 'भालू, बाघ और पक्षी' नामक कृति का माध्यम क्या है?

(A) भित्तिचित्र

(B) अँगूठे से छपाई

(C) ऐक्रेलिक ऑन कैनवास

(D) जलरंग

उत्तर - (B) अँगूठे से छपाई

प्रश्न 6 - मानव कितने वर्षों से चित्रकारी कर रहे हैं, जैसा कि शैल चित्रों से पता चलता है?

(A) 10000 वर्षों से अधिक

(B) 20000 वर्षों से अधिक

(C) 30000 वर्षों से अधिक

(D) 40000 वर्षों से अधिक

उत्तर – (C) 30000 वर्षों से अधिक

प्रश्न 7 - मधुबनी चित्रकला के प्रमुख पारंपरिक कलाकार कौन थे?

(A) पुरुष मूर्तिकार **(B) शाही दरबार के चित्रकार**

(C) मिथिला क्षेत्र की महिलाएँ **(D) ब्रिटिश उपनिवेशी कलाकार**

उत्तर – (C) मिथिला क्षेत्र की महिलाएँ

प्रश्न 8 - 'सीता विद लव-कुश' कालीघाट चित्रकला का केंद्रीय विषय क्या है?

A) रामायण का युद्ध दृश्य **(B) सीता और उनके पुत्रों के बीच प्रेम और स्नेह का क्षण**

(C) भगवान राम का राज्याभिषेक **(D) रावण द्वारा सीता का अपहरण**

उत्तर – (B) सीता और उनके पुत्रों के बीच प्रेम और स्नेह का क्षण

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

खंड - ख

प्रश्न 9 – गद्यांश को पढ़िए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

अजंता गुफा चित्रकला

सबसे प्रसिद्ध चित्रकलाएँ अजंता गुफाओं में पाई जाती हैं। अजंता गुफाएँ महाराष्ट्र राज्य के औरंगाबाद जिले के उत्तर-पूर्व में साठ मील की दूरी पर ताप्ती नदी की एक छोटी सहायक नदी, वाघोरा नदी के घुमावदार तट पर स्थित हैं। गुफाओं का नाम पास के गाँव अजिंठा के नाम पर रखा गया है। अजंता गुफाएँ लगभग 260 फीट ऊँची एक चट्टानी पहाड़ी पर फैली हुई हैं, जो 540 गज की लंबाई में इसके किनारों को काटकर बनाई गई हैं। यहाँ कुल तीस गुफाएँ हैं, जिनमें से एक अधूरी है। गुफाएँ 9, 10, 19, 26 और 29 चैत्य हॉल (पूजा स्थल) हैं। अन्य गुफाएँ विहार (मठ) के रूप में प्रयुक्त होती थीं, जहाँ भिक्षु रहते थे। अजंता गुफाओं की खोज 1819 में मद्रास रेजिमेंट के कुछ अधिकारियों द्वारा की गई थी। जिनमें से एक मेजर जॉन स्मिथ थे। अजंता गुफाओं पर पहली रिपोर्ट 1824 में लेफ्टिनेंट जे० ई० ई० ऐलेक्जेंड्रा द्वारा रॉयल एशियाटिक सोसाइटी को भेजी गई थी।

(a) अजंता गुफाएँ ____________ नदी के घुमावदार तट पर स्थित हैं।

(b) वाघोरा नदी ____________ नदी की एक छोटी सहायक नदी है।

(c) अजंता गुफाएँ महाराष्ट्र के ___________ जिले में स्थित हैं।

(d) इन गुफाओं का नाम पास के गाँव ____________ के नाम पर रखा गया है।

उत्तर –

(a) वाघोरा

(b) ताप्ती

(c) औरंगाबाद

(d) अजिंठा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 10 – गद्यांश को पढ़िए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

फ्रेस्को

फ्रेस्को भित्ति चित्रण की एक तकनीक है, जिसमें ताजे रखे हुए या गीले चूने के पलस्तर पर चित्र बनाए जाते हैं। इसमें रंगों के मिश्रण के लिए पानी या चूने के साथ मिले पानी का उपयोग किया जाता है ताकि रंगद्रव्य पलस्तर के साथ मिल जाए। जैसे ही पलस्तर सेट होता है, नमी वाष्पित हो जाती है और चित्र की सतह पर कैल्सियम कार्बोनेट की एक पतली परत बन जाती है, जो रंगों को संरक्षित करती है। फ्रेस्को उन्हीं सतहों पर बनाए जाते हैं, जो चूने से समृद्ध होती हैं और जहाँ रंगद्रव्य भी बाइंडर के रूप में चूने का उपयोग करते हैं, परिणामस्वरूप कलर पैलेट सीमित हो जाता है, क्योंकि रंगद्रव्य में मौजूद रसायन चूने में उपस्थित कैल्सियम के साथ प्रतिक्रिया करते हैं। इसलिए भारतीय चित्रकार फ्रेस्को के लिए रामराज, हिरमिच, हिंगुल, गेरू, नील, दीपक की कालिख या कोयले का चूरा और विभिन्न संयोजनों का इस्तेमाल करते थे। रंगद्रव्यों को मूसल में पीसकर, छानकर और पानी में मिलाकर तरल रूप में रखा जाता था। हिंगुल, सिंदूर आदि को भेड़ के दूध में पीसकर नींबू के रस से शुद्ध किया जाता था।

रिक्त स्थान भरिए :

(क) फ्रेस्को एक __________ तकनीक है जिसमें ताजे रखे हुए या गीले चूने के पलस्तर पर चित्र बनाए जाते हैं।

(ख) पानी का उपयोग किया जाता है ताकि __________ पलस्तर के साथ मिल जाए।

(ग) रंगद्रव्यों को मूसल में पीसकर, छानकर और पानी में मिलाकर __________ रूप में रखा जाता था।

(घ) __________ और __________ को भेड़ के दूध में पीसकर नींबू के रस से शुद्ध किया जाता था।

उत्तर –

(a) भित्ति चित्रण

(b) रंग

(c) तरल

(d) हिंगुल और सिंदूर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 11 – गद्यांश को पढ़िए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

वारली चित्रकला-पालघाट देवी चौक

पालघाट देवी चौक चित्रकला घर की मुख्य भीतरी दीवार पर विवाह-संबंधी अनुष्ठानों के लिए बनाई जाती है। एक बड़े आयताकार चौक के केंद्र में पालघाट देवी, जो वारली समुदाय की उर्वरता की देवी हैं, की आकृति चित्रित की जाती है। शीर्ष दो कोनों पर प्रतिनिधित्व करने वाले सूर्य और चंद्रमा की आकृतियाँ या बेसिंग पर दुल्हन और दुल्हे द्वारा पहने जाने वाले औपचारिक मुकुट को रंगा जाता है। देवी की आकृति के नीचे शुभ रंग अंकित किया जाता है। पुनः चौक शादी के दृश्यों और रोजमर्रा की गतिविधियों से घिरा हुआ होता है। इनमें घोड़ी पर सवार दुल्हा, नाचते हुए पुरुष और महिलाएँ, शिकार करना, खेती के दृश्य, ताड़ी, वनस्पतियाँ और जीवों के चित्रण आदि शामिल होते हैं। ये विवाहित महिलाओं द्वारा बनाए जाते हैं। उसके बाद उत्साही युवतियाँ बाकी दीवार का कार्य पूरा करती हैं और काल्पनिक दृश्यों का एक वास्तविक कोलाज बनाती हैं।

रिक्त स्थान भरिए :

(क) चौक का केंद्रीय चित्र __________, वारली उर्वरता देवी का है।

(ख) चौक एक _________ है, जो ________ का चित्रित हिस्सा है।

(ग) यह पालघाट देवी चौक चित्रकला __________ जनजातीय चित्रकला शैली का एक अभिन्न अंग है।

(घ) इस कला में मुख्य रूप से ____________ का उपयोग होता है, जो __________ से बना होता है और इसे मृदा के आधार पर किया जाता है।

उत्तर –

(a) पालघाट देवी

(b) बड़ा आयत, विवाह-संबंधी अनुष्ठानों

(c) वारली

(d) सफेद रंग. चावल का आटा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

SECTION - C

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए (न्यूनतम 30 शब्दों में) :

प्रश्न 12- सिन्धु घाटी सभ्यता की मिट्टी के बर्तनों की डिजाइनों में पक्षी रूपांकन की क्या भूमिका थी?

उत्तर – पक्षी रूपांकनों का महत्व –

1. **सौंदर्य वृद्धि :** पक्षी रूपांकन मिट्टी के बर्तनों की दृश्य सुंदरता बढ़ाते थे। इन्हें अक्सर आकृतिक या ज्यामितीय रूपों में चित्रित किया जाता था, जिससे बर्तन विशिष्ट और आकर्षक बनते थे।

2. **सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व :** पक्षियों ने हड़प्पा लोगों की प्रकृति के प्रति गहरी समझ और उनके पर्यावरण (नदियाँ, जंगल, जीव-जंतु) के साथ संबंध प्रकट होता है।

प्रश्न 13- भारत में कंपनी चित्रकला का विकास कैसे हुआ? लिखिए।

उत्तर – कंपनी पेंटिंग भारत में 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध और 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रभाव में विकसित हुई। यह भारतीय पारंपरिक लघुचित्रकला और यूरोपीय तकनीकों जैसे जलरंग, परिप्रेक्ष्य और यथार्थवाद का मिश्रण थी। भारतीय कलाकारों ने अपने कौशल को ब्रिटिश संरक्षकों की रुचियों के अनुसार ढाला, जो संग्रहणीय चित्र, पोर्ट्रेट, प्राकृतिक दृश्य, पक्षी, पशु और रोजमर्रा के जीवन के दृश्य चाहते थे।

प्रश्न 14- जैन लघु चित्रकला की प्रमुख विशेषताओं को समझाइए।

उत्तर – जैन लघुचित्रकला का विकास मुख्यतः गुजरात में हुआ और इसे जैन समुदाय का संरक्षण प्राप्त हुआ। ये चित्र प्रायः ताड़ के पत्तों पर बनाए जाते थे, जिनका उपयोग पांडुलिपियों के लेखन में भी होता था। इस शैली में भित्तिचित्रकला और स्थानीय लोककला के तत्व दिखाई देते हैं। चित्रों का विषय मुख्यतः धार्मिक था, जिसमें तीर्थंकरों तथा जैन धार्मिक कथाओं का चित्रण किया गया।

Or / अथवा

मिर्जापुर शैल चित्रों में मुख्य रूप से कौन-कौन से विषय चित्रित किए गए हैं?

उत्तर – मिर्ज़ापुर की शैल चित्रकला में मुख्य रूप से मानव आकृतियाँ, पशु-पक्षी, शिकार के दृश्य, दैनिक जीवन की गतिविधियाँ, नृत्य, युद्ध तथा धार्मिक अनुष्ठानों का चित्रण मिलता है। ये चित्र प्राचीन मानव के सामाजिक जीवन, विश्वासों और सांस्कृतिक परंपराओं को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए (न्यूनतम 70 शब्दों में) :

प्रश्न 15- चंबा शैली में बनी 'विश्वरूपा।' चित्रकला का कलात्मक और धार्मिक महत्त्व बताइए।

उत्तर – चंबा शैली में बनी 'विश्वरूपा।' चित्रकला में भगवान विष्णु का विराट और ब्रह्मांडीय रूप दिखाया गया है, जो उनकी सर्वव्यापकता और असीम शक्ति का प्रतीक है। कलात्मक दृष्टि से इसमें संतुलित रचना, सटीक रेखाएँ, चमकीले रंग और सूक्ष्म विवरण मिलते हैं। धार्मिक रूप से यह दिव्य संरक्षण, ब्रह्मांडीय व्यवस्था और गहरी भक्ति का संदेश देती है, जो हिमालयी सौंदर्य और वैष्णव परंपरा का सुंदर संगम है।

Or / अथवा

कंपनी स्कूल की 'पालकी' चित्रकला की शैली और विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।

उत्तर – कंपनी स्कूल की पलनक्विन चित्रकला में शाही या पारंपरिक समारोहों में उपयोग होने वाले सजावटी पालकी को चित्रित किया गया है। कलात्मक दृष्टि से इसमें भारतीय लघुचित्रकला का विस्तार और यूरोपीय यथार्थवाद एवं परिप्रेक्ष्य दिखाई देता है। चित्र में चमकीले रंग, सटीक रेखाएँ और सूक्ष्म पैटर्न दिखाई देते हैं, जो पालकी, उसके आभूषण और सेवकों का विवरण दर्शाते हैं। विषय औपनिवेशिक भारत के सामाजिक जीवन और शाही संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए (प्रत्येक न्यूनतम 90 शब्दों में) :

प्रश्न 16- 'नंद स्वरम्' में एम० एफ० हुसैन की शैली की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं, और यह उनकी कलात्मक दृष्टि को कैसे दर्शाती है?

उत्तर – एम.एफ. हुसैन, भारत के प्रमुख आधुनिक कलाकारों में से एक हैं, जो अपनी जीवंत, गतिशील और भावपूर्ण शैली के लिए प्रसिद्ध हैं। 'नंद स्वरम्' में एम० एफ० हुसैन की शैली की प्रमुख विशेषताएँ :

1. **साहसिक एवं प्रवाही रेखाएँ :** आकृतियों और रूपों की रेखाएँ गतिशीलता और जीवन का एहसास देती हैं।
2. **जीवंत और विरोधाभासी रंग :** चमकीले रंग चित्र को आकर्षक और लयात्मक बनाते हैं।
3. **शैलीगत आकृतियाँ :** मानव रूप यथार्थ से अधिक भाव और ऊर्जा पर केंद्रित हैं।
4. **शैलियों का मिश्रण :** लोक कला, पारंपरिक भारतीय चित्रकला और आधुनिक अमूर्त शैली का संयोजन।
5. **सांस्कृतिक विषय :** चित्र में भारतीय मिथक, संगीत और रोजमर्रा का जीवन दिखाई देता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Or / अथवा

बसोहली परंपरा के संदर्भ में 'कृष्ण विद ए कंपेनियन' चित्रकला में गहरे रंगों, शैलीबद्ध आकृतियों और जटिल विवरणों का उपयोग समझाइए।

उत्तर – बसोली शैली की चित्रकला 'कृष्ण विद अ कम्पेनियन' में बसोली परंपरा की प्रमुख विशेषताएँ स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। कलाकार ने साहसिक और जीवंत रंगों का उपयोग किया है, जैसे लाल, नीला और पीला, जिससे चित्र में नाटकीयता और जीवन्तता आती है। आकृतियाँ शैलीबद्ध हैं, जिनमें लंबी अंगुलियाँ और प्रभावशाली हाव-भाव दिखाई देते हैं, जो यथार्थ से अधिक भाव और कथा पर जोर देते हैं। सूक्ष्म विवरण कपड़ों, आभूषण और पृष्ठभूमि में दिखते हैं, जो कलात्मक कुशलता को दर्शाते हैं। ये सभी तत्व मिलकर भक्ति भाव, कथा स्पष्टता और ऊर्जावान सौंदर्य प्रस्तुत करते हैं, जो बसोली शैली की पहचान है।

प्रश्न 17- पहाड़ी चित्रकला की किन्हीं दो शैलियों के बारे में लिखिए। चित्रकला की शैलियों के विषयों और विशिष्ट विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

उत्तर – पहाड़ी चित्रकला, हिमालयी राज्यों से विकसित, जीवंत रंगों, काव्यात्मक शैली और भक्ति या रोमांटिक विषयों के लिए प्रसिद्ध है। विभिन्न स्कूलों ने विशिष्ट क्षेत्रीय सौंदर्य विकसित किया।

1. बसोली शैली : पहाड़ी चित्रकला की एक प्राचीन शैली है, जिसका विकास जम्मू क्षेत्र के बसोहली में हुआ। यह शैली अपने गहरे रंगों, नाटकीय अभिव्यक्ति और शैलीबद्ध आकृतियों के लिए जानी जाती है।

(i) साहसिक और जीवंत रंग - जैसे लाल, नीला और पीला।

(ii) शैलीगत, भावपूर्ण आकृतियाँ - लंबी आँखों और गतिशील मुद्राओं के साथ।

(iii) सजावटी विवरणवस्त्र – वस्त्रों और आभूषणों में सूक्ष्म अलंकरण।

(iv) नाटकीय रचनाएँ -जो भावनात्मक प्रभाव देती हैं।

2. काँगड़ा शैली : काँगड़ा शैली पहाड़ी चित्रकला की एक प्रसिद्ध और विकसित शैली है, जिसका विकास हिमाचल प्रदेश के काँगड़ा क्षेत्र में हुआ। यह शैली अपनी कोमलता, सूक्ष्म रेखांकन और काव्यात्मक भावों के लिए जानी जाती है।

(i) **कोमल और हल्के रंग** – जैसे गुलाबी, हरा, नीला और पेस्टल टोन।

(ii) **प्राकृतिक और सौम्य आकृतियाँ** – कोमल चेहरे और भावपूर्ण मुद्राओं के साथ।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(iii) **प्राकृतिक पृष्ठभूमि** – पहाड़, नदियाँ, वृक्ष और पुष्पों का सुंदर चित्रण।

(iv) **काव्यात्मक और रोमांटिक रचनाएँ** – जिनमें शांति, प्रेम और भक्ति का भाव व्यक्त होता है।

Or / अथवा

आधुनिक कला में किन्हीं दो समकालीन भारतीय कलाकारों के योगदान पर चर्चा कीजिए।

उत्तर – समकालीन भारतीय कलाकारों ने आधुनिक भारतीय कला को नया आयाम दिया है, जिसमें परंपरागत विषयों और आधुनिक तकनीकों का संयोजन दिखाई देता है, जो सांस्कृतिक विरासत और समकालीन दृष्टिकोण दोनों को प्रतिबिंबित करता है।

1. एम.एफ. हुसैन (1915–2011) : एम. एफ. हुसैन को "भारत का पिकासो" कहा जाता है। उन्होंने आधुनिक भारतीय कला को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई।

(i) भारतीय लोक कला, पारंपरिक विषयों और आधुनिक अमूर्त शैली का संयोजन।

(ii) चित्रों में भारतीय मिथक, संगीत, सिनेमा और दैनिक जीवन के दृश्य।

(iii) जीवंत रंगों और साहसिक, प्रवाही रेखाओं का प्रभावी प्रयोग।

2. एफ.एन. सौजा (1924–2002) : एफ. एन. सौजा आधुनिक भारतीय कला के सशक्त और निर्भीक कलाकार थे तथा प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट्स ग्रुप के संस्थापक सदस्य थे।

(i) स्वतंत्रता-उत्तर भारतीय कला को आधुनिक और अभिव्यक्तिपूर्ण रूप दिया।

(ii) मानव भावनाओं, सामाजिक मुद्दों और यथार्थ का साहसिक चित्रण।

(iii) कोणीय, विकृत आकृतियाँ और तीव्र रंगों के माध्यम से आधुनिकतावादी दृष्टि।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

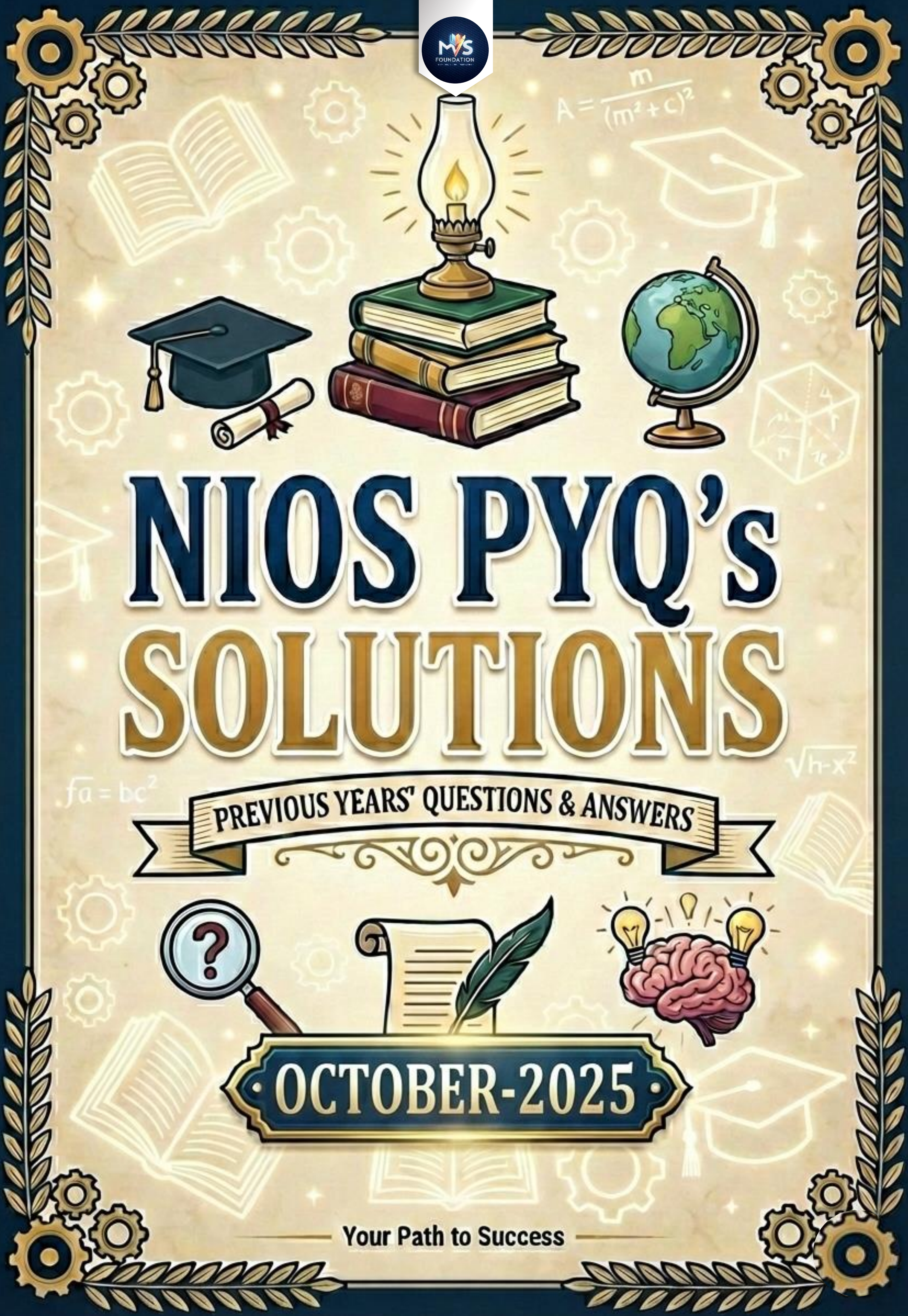
NIOS PYQ's
SOLUTIONS
PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS
OCTOBER-2025
Your Path to Success

खंड - अ

निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर का चयन कीजिए।

Q1. मछली आकृति वाला चित्रित मृदभांड किस हड़प्पा स्थल से संबंधित है ?

(A) हड़प्पा

(B) मोहनजोदाड़ो

(C) मेहरगढ़

(D) धोलाविरा

उत्तर – (C) मेहरगढ़

Q2. पाल लघु चित्रकला के सबसे प्रारंभिक उदाहरण किस पत्ती की पांडुलिपियों से हैं?

(A) ताड़ पत्ती

(B) केले की पत्ती

(C) पीपल पत्ती

(D) भोज पत्ती

उत्तर – (A) ताड़ पत्ती

Q3. पद्मपाणि बोधिसत्व कमल क्यों पकड़े हुए हैं?

(A) धन का प्रतीक

(B) करुणा और आध्यात्मिक जागृति का प्रतिनिधित्व

(C) किसी को भेंट

(D) केवल धार्मिक परंपरा

उत्तर – (B) करुणा और आध्यात्मिक जागृति का प्रतिनिधित्व

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Q4. 'मारा विजय' चित्र में मारा की आकृति किसे दर्शाती है ?

(A) ज्ञान

(B) निर्भयता

(C) प्रलोभन और व्याकुलता

(D) शांति

उत्तर – (C) प्रलोभन और व्याकुलता

Q5. 'भालू, बाघ और पक्षी' चित्रकला में कौन सी तकनीक प्रयुक्त हुई है?

(A) वनस्पति मुद्रण

(B) ब्लॉक प्रिंटिंग

(C) अंगूठा और उंगली मुद्रण

(D) नक़्क़ाशी

उत्तर – (C) अंगूठा और उंगली मुद्रण

Q6. 'पद्मपाणि' भित्तिचित्र का माध्यम क्या है ?

(A) वॉश

(B) तेल

(C) मिट्टी का पलस्तर और प्राकृतिक रंग

(D) कैनवास

उत्तर – (C) मिट्टी का पलस्तर और प्राकृतिक रंग

Q7. 'पालघाट देवी चौक' नामक वारली चित्र के कलाकार कौन हैं ?

(A) अज्ञात

(B) अबनिंद्रनाथ टैगोर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(C) जीव्या सोमा माशे

(D) रवींद्रनाथ टैगोर

उत्तर – (C) जीव्या सोमा माशे

Q8. लोक और जनजातीय कला में एक टहनी को निम्नलिखित में क्या बनाया जाता है ?

(A) पैलेट

(B) मग

(C) ब्रश

(D) रंगद्रव्य

उत्तर – (C) ब्रश

खंड – ब

निम्नलिखित परिच्छेद पढिए और नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

Q9. अनुच्छेद-1 - भिंबेटका

'इस चित्र में अनेक मानव आकृतियाँ विभिन्न प्रकार के पशुओं के साथ चित्रित हैं। सभी मानव आकृतियाँ आदिम हथियार लिए हुए हैं। पुरुष इन जंगली जानवरों को मारने या पकड़ने के लिए निकले हैं। आकृतियाँ सिलुएट रूप में हैं जो क्रिया से भरपूर हैं। चित्र में चार पुरुष विभिन्न पशुओं पर आक्रमण करते दिखते हैं। वे एक घोड़े को वश में करते भी दिखाई देते हैं।'

रिक्त स्थान भरें :

(A) भिंबेटका चित्र में मानव आकृतियाँ _______________ पकड़े हुए हैं।

उत्तर – आदिम हथियार

(B) चित्र में चार पुरुष _______________ पर आक्रमण करते हुए दिखाए गए हैं।

उत्तर – विभिन्न पशुओं

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(C) आकृतियों को _______________ रूप में दिखाया गया है जो क्रियाशील हैं।

उत्तर – सिलुएट

(D) पुरुषों को जानवरों पर आक्रमण करते हुए और _______________ करते हुए दर्शाया गया है।

उत्तर – घोड़े को वश में

Q10. निम्नलिखित परिच्छेद पढिए और नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

अनुच्छेद - 2 लिनोकट प्रिंट

'लिनोकट एक आधुनिक ब्लॉक प्रिंटिंग तकनीक है। एक डिज़ाइन को लिनोलियम पर उकेरा जाता है, रंग भरा जाता है और दबा कर चमकदार प्रिंट तैयार किया जाता है। इसकी सुंदरता वक्र और रेखाओं के संतुलन एवं बहुरंगी प्रयोग में निहित है।'

रिक्त स्थान भरें :

(A) लिनोकट _______________, _______________ तकनीक है।

उत्तर – आधुनिक ब्लॉक प्रिंटिंग

(B) डिजाइन का _______________ पर _______________ जाता है।

उत्तर – लिनोलियम, उकेरा

(C) _______________ प्रिंट दबाकर तैयार किया जाता है।

उत्तर – चमकदार

(D) इसकी सुंदरता वक्र के _______________ और _______________ में निहित है।

उत्तर – संतुलन, बहुरंगी प्रयोग

Q11. निम्नलिखित परिच्छेद पढिए और नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

अनुच्छेद - 3: पिथोरा चित्रकला - दृश्य तत्व

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

'चित्र में शेर, हाथी, ऊँट, गाय, बिच्छू, पिंजरे में तोता, सिल्क कॉटन वृक्ष, बंदर, किसान, काठिया सवार (काला घुड़सवार), और पौराणिक पात्र जैसी अनेक आकृतियाँ हैं। ये रूपक गीतों में भी दोहराए जाते हैं। रंग महावर, कालिख, हल्दी और पौधों की पत्तियों से बनाए जाते हैं।'

रिक्त स्थान भरें :

(A) चित्र में ______________, ______________, ______________, ______________, आदि मोटीफ आकृतियाँ है।

उत्तर – शेर, हाथी, ऊँट, गाय

(B) रंग ______________, ______________ और ______________ से बनाये जाते है।

उत्तर – कालिख, हल्दी, पौधों की पत्तियों

(C) चित्र ______________ दर्शाता है।

उत्तर – पिथोरा देव

(D) ये ______________, ______________ में दोहराये जाते हैं।

उत्तर – रूपक गीतों

खंड – स

विकल्प पसंद करके निम्नलिखित प्रश्नों का लगभग 30-40 शब्दों में उत्तर दीजिए :

Q12. अजन्ता गुफा की अप्सरा चित्रकला शाडंग सिद्धांतों को कैसे दर्शाती है ?

उत्तर – अजन्ता गुफा की अप्सरा चित्रकला में शाडंग सिद्धांतों का सुंदर प्रयोग दिखाई देता है। यह 'रूपभेद' द्वारा आकारों की भिन्नता, 'प्रमाण' द्वारा उपयुक्त अनुपात, 'भाव' द्वारा भावनाओं की अभिव्यक्ति, 'लावण्य-योजना' द्वारा सौंदर्य, 'साद्दश्य' द्वारा समानता और 'वर्णिका भंग' द्वारा रंगों का संयोजन दर्शाती है।

Q13. अजन्ता में बनी छत की सजावट भारतीय भित्ति परंपरा में क्यों महत्वपूर्ण मानी जाती है?

उत्तर – अजन्ता में बनी छत की सजावट भारतीय भित्ति परंपरा में महत्वपूर्ण मानी जाती है क्योंकि इसमें मानव आकृतियों, पशु-पक्षियों तथा बेल-बूटों का सुंदर संयोजन किया गया है। यह कलाकारों की सजावटी कला-कौशल और सृजनात्मकता को दर्शाती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Q14. 'कृष्ण रोमांसिंग राधा विद ए लोटस' चित्र में रोमांस की अभिव्यक्ति किस प्रकार हुई है ?

उत्तर – 'कृष्ण रोमांसिंग राधा विद ए लोटस' चित्र में कृष्ण द्वारा राधा को कमल अर्पित करते हुए प्रेम और अनुराग की भावना व्यक्त की गई है। दोनों के मधुर संबंध तथा भावपूर्ण वातावरण से रोमांस की सुंदर अभिव्यक्ति होती है।

अथवा

जैमिनी रॉय अपनी 'मदर एंड चाइल्ड' चित्रकला में लोक और आधुनिक तत्वों को कैसे संयोजित करते हैं?

उत्तर – जैमिनी रॉय ने अपनी 'मदर एंड चाइल्ड' चित्रकला में लोक और आधुनिक तत्वों को संयोजित करने के लिए लोककला की मोटी बाह्य रेखाओं और बड़ी आँखों को आधुनिक कैनवास पर टेंपरा तकनीक से दर्शाया है।

विकल्प पसंद करके निम्नलिखित प्रश्न का 70-80 शब्दों में उत्तर दीजिए :

Q15. 'ब्राइड्स टॉयलेट' चित्रकला में अमृता शेरगिल अजन्ता और गाँगैं के प्रभावों को कैसे प्रतिबिंबित करती हैं ?

उत्तर – 'ब्राइड्स टॉयलेट' में अमृता शेरगिल ने अजंता से प्रेरित सुंदर आकृतियाँ, स्पष्ट रेखांकन और शांत भावों का चित्रण किया है। वहीं गाँगैं के प्रभाव से सपाट रंग-योजना, मिट्टी के रंगों तथा सरल प्रस्तुतीकरण का प्रयोग किया है।

अथवा

मध्यकाल में जैन चित्रकला का विकास किस प्रकार हुआ? संक्षिप्त विवरण दीजिए।

उत्तर – जैन ताड़पत्र लघुचित्रकला का विकास दसवीं से बारहवीं शताब्दी के मध्य गुजरात, राजस्थान तथा अन्य क्षेत्रों में हुआ। प्रारम्भ में चित्र ताड़पत्रों पर लिखी जैन पांडुलिपियों में बनाए गए, बाद में कागज पर भी चित्रित ग्रंथ तैयार किए गए।

विकल्प पसंद करके निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर 90-100 शब्दों में उत्तर दीजिए :

Q16. के. के. हेब्बार अपनी 'अनटाइटल्ड' चित्रकला में तटीय भारत को किस प्रकार चित्रित करते हैं? कलाकार और चित्रकला को परिचय दें।

उत्तर – के. के. हेब्बार (1911–1996) भारतीय जीवन और लोकसंस्कृति के चित्रण के लिए प्रसिद्ध चित्रकार थे। उनकी चित्रशैली पर भारतीय लोककला तथा अभिव्यंजनावाद का प्रभाव दिखाई देता है।

उनकी 'अनटाइटल्ड' चित्रकला में केरल के तटीय नगर का चित्रण किया गया है। अग्रभाग में मछुआरे और उनकी नावें दिखाई गई हैं तथा झोपड़ियाँ पृष्ठभूमि में चित्रित हैं। चित्र में सुबह की गतिविधियों का सजीव दृश्य प्रस्तुत किया गया है। समुद्र, तटरेखा, नावों और झोपड़ियों को धूसर पीले, नारंगी, नीले तथा स्लेटी रंगों में दर्शाया गया है। गहरी छायाओं के मध्य जल की पारदर्शिता चित्र को यथार्थपूर्ण बनाती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

आप पाल लघु चित्रकला को कैसे समझते हैं? 'पंचरक्षा तारा' चित्रकृति को विस्तार से समझाइए।

उत्तर – पाल लघु चित्रकला बौद्ध धर्म से संबंधित चित्रकला शैली है, जिसका विकास ताड़पत्रों पर लिखी बौद्ध पांडुलिपियों के साथ हुआ। इसकी आकृतियाँ कोमल बाह्य रेखाओं तथा सुंदर रंग-संयोजन से युक्त हैं।

'पंचरक्षा तारा' चित्र 1080 ईस्वी का पाल शैली का टेम्परा चित्र है। इसमें महायान बौद्ध देवी तारा को पद्मासन में दर्शाया गया है। देवी का एक हाथ जंघा पर तथा दूसरा अभयमुद्रा में है। मुकुट, कर्णकुण्डल और हार से अलंकृत आकृति में गुलाबी, पीले तथा लाल रंगों का संतुलित प्रयोग किया गया है। रेखाओं की लयात्मकता और सटीकता इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं।

Q17. सिंधु घाटी सभ्यता में प्राप्त मृदभांडों पर बने विभिन्न डिज़ाइनों और रूपांकनों का विस्तृत वर्णन करें।

उत्तर – सिंधु घाटी सभ्यता के मृदभांडों पर विभिन्न ज्यामितीय डिज़ाइन और रूपांकन बनाए गए हैं। इनमें वृत्ताकार, वर्गाकार, त्रिकोणीय तथा अन्य ज्यामितीय आकृतियाँ प्रमुख हैं। डिज़ाइनों को पशु आकृतियों के साथ संयोजित कर सुंदर पैटर्न बनाए गए हैं। रूपांकनों में ज्यामितीय मछली, मोर तथा अन्य पक्षी आकृतियाँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। इनका लाल अथवा हल्की पीली पृष्ठभूमि पर काली रेखाओं द्वारा किया गया है। कई बर्तनों पर बेल-बूटों और ज्यामितिक मोटिफों का भी प्रयोग मिलता है। ये डिज़ाइन और रूपांकन तत्कालीन कलाकारों की सृजनात्मकता, सौंदर्यबोध तथा ज्यामितिक सिद्धांतों की समझ को प्रदर्शित करते हैं।

अथवा

कांगड़ा शैली की केंद्रीय भावना को 'कदंब वृक्ष के नीचे' चित्रकला के उदाहरण से समझाइए।

उत्तर – कांगड़ा शैली की केंद्रीय भावना प्रेम, भक्ति और प्रकृति-सौंदर्य की कोमल अभिव्यक्ति है। 'कदंब वृक्ष के नीचे' चित्रकला इस भावना का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करती है। इसमें राधा और कृष्ण को कदंब वृक्ष के नीचे प्रेमपूर्ण एवं भावनात्मक वातावरण में चित्रित किया गया है। चित्र में प्रकृति और मानव भावनाओं का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। कोमल रंगों, लयात्मक रेखाओं तथा आकर्षक परिवेश से प्रेम और श्रृंगार रस को प्रभावशाली ढंग से व्यक्त किया गया है। इस प्रकार यह चित्र कांगड़ा शैली की कोमलता, सौंदर्य और कलात्मक कौशल को दर्शाता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Thank you!

We hope you found this material helpful. We wish you the very best for your examination.

Strive for Excellence – Your Path to Success